

**सात्वंत** पुं. (तत्.) 1. यदुवंशी, यादव 2. श्री कृष्ण 3. बलराम 4. विष्णु 5. एक प्राचीन देश 6. एक प्राचीन वर्ण-संकर जाति।

**सात्व/सात्त्व** वि. (तत्.) 1. सत्व गुण-संबंधी, सात्विक 2. सत्व या सार संबंधी।

**सात्वत/सात्त्वत** पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. बलराम 3. कृष्ण।

**सात्वती/सात्त्वती** स्त्री. (तत्.) 1. सत्वशालिनी, नाटकों की चार वृत्तियों में से एक जिसमें युद्ध और वीरतापूर्ण कार्य वर्णित होते हैं और जो वीर रस के लिए उपयुक्त होती है 2. शिशुपाल की माता का नाम 3. सुभद्रा का एक नाम।

**सात्विक** वि. (तत्.) 1. जिसमें सत्व गुण हो, सतोगुणी 2. सत्वगुण से संबंध रखने वाला 3. सत्य-निष्ठा 4. प्राकृतिक 5. वास्तविक 6. अनुभूति या भावना-जन्य पुं. 1. साहित्य में सतोगुण से उत्पन्न होने वाला निसर्ग जाति में आठ अंग विकार-स्तंभ, स्वेद, रोमांच, स्वर-भंग, कंप या वेपथु, वैवर्ण्य, अश्रु-पात और प्रलय 2. नाट्य-शास्त्र में, स्त्रियों के अंगज और अपलज कुछ शारीरिक गुण तथा विशेषताएँ जो आकर्षक तथा मोहक होती हैं, और इसीलिए जिनकी गणना स्त्रियों के अलंकारों में की गई है 3. नाट्यशास्त्र में चार प्रकार के अभिनयों में से एक जिसमें केवल सात्विक भावों का प्रदर्शन होता है 4. काव्य और नाट्य-शास्त्र की सात्वती नाम की वृत्ति 5. ब्रह्मा 6. विष्णु।

**सात्विक अलंकार** पुं. (तत्.) नाट्यशास्त्र में, नायिकाओं के वे क्रिया-कलाप तथा सौंदर्य वर्धक तत्व जिनके अंगज, अयत्नज और स्वभावज ये तीन भेद किए गए हैं।

**सात्विकी** स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा का एक नाम 2. गौणी भक्ति का एक प्रकार या भेद जिसमें विशुद्ध भक्तिभाव बनाए रखने के उद्देश्य से ही इष्टदेव का अर्चन और पूजन होता है।

**साथ** पुं. (तद्.) दो वस्तुओं, व्यक्तियों आदि के परस्पर निकट होने की अवस्था मुहा. साथ देना-

किसी काम में संग रहना, सहानुभूति रखते हुए साथ देना।

**साथर/साथरा** पुं. (देश.) 1. बिछौना, बिस्तर 2. चटाई, विशेषतः कुश की बनी चटाई।

**साथिन** स्त्री. (तद्.) साथी स्त्री।

**साथिया** पुं. (देश.) स्वास्तिक।

**साथी<sup>1</sup>** पुं. (तद्.) 1. वे अनेक व्यक्ति जो परस्पर साथ रहते हो 2. संगी 3. मित्र, सखा।

**साथी<sup>2</sup>** पुं. (तद्.) सार्थवाह या व्यापारी उदा. साथी आथि निआथि भैं-जायसी।

**साद** पुं. (तत्.) 1. अस्त होना, डूबना 2. कलांति, थकावट 3. कष्ट, पीड़ा 4. क्षीणता 5. विशाद 6. विशुद्धता।

**सादक** वि. (तत्.) निःशक्त या शिथिल करने वाला।

**सादगी** स्त्री. (फा.) 1. रहन-सहन में आडंबर या कृत्रिमता का अभाव, सरलता, सादापन 2. निश्छलता 3. तडक-भडक का अभाव, अलंकार, सजावट न होना।

**सादन<sup>1</sup>** पुं. (तत्.) 1. नष्ट करना 2. कलांत होना, थकाना 3. पात्र, बरतन 4. सदन।

**सादन<sup>2</sup>** पुं. (तद्.) एक प्रकार का बड़ा और औषधोपयोगी वृक्ष जो देखने में बबूल और खैर के समान लगता है, तिनिश/तिरिछ का पेड़।

**सादर** क्रि.वि. (तत्.) आदरपूर्वक, आदरसहित।

**सादरा** पुं. (तत्.) उच्चशास्त्रीय संगीत में एक विशिष्ट प्रकार की गायन-शैली जिसके गाने या पद अनेक राग-रागिनियों में निबद्ध होते हैं।

**सादा** वि. (फा.) 1. जिसमें मिलावट न हो, निर्मल, खालिसा 2. जिसमें आडंबर या कृत्रिमता न हो 3. जिसमें किसी तरह की उलझन न हो 4. सजावट आदि से रहित 5. कागज जिस पर कुछ लिखा न हो 6. निश्छल, भोला-भाला।

**सादात** पुं. (अर.) सैयद जाति या वंश।

**सादापन** पुं. (फा.) सादगी।